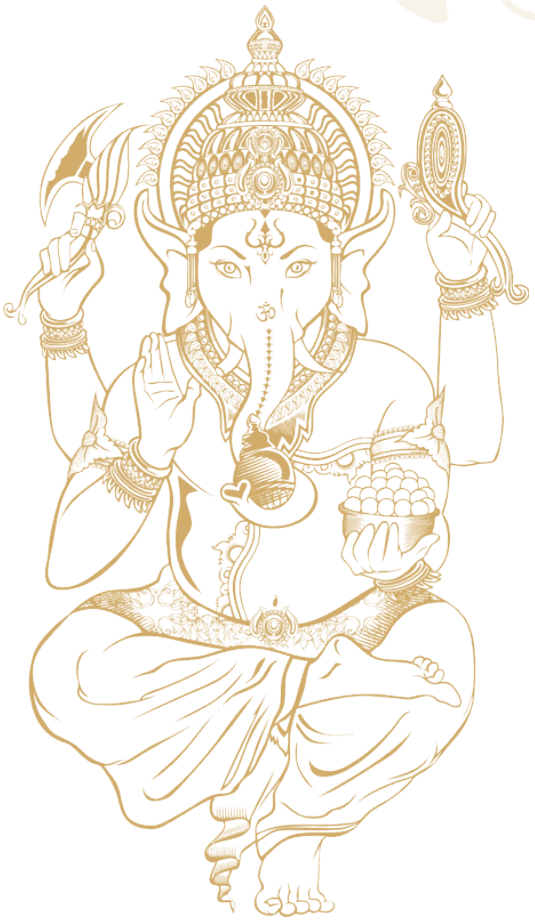

Female

06 Apr 2026

03:32 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121861602

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**06/04/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:32:00 घंटे**
इष्ट	23:35:00 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:10:52 घंटे
वेलान्तर	-00:02:27 घंटे
साम्पातिक काल	04:09:42 घंटे
सूर्योदय	06:05:59 घंटे
सूर्यास्त	18:41:41 घंटे
दिनमान	12:35:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:23:21 मीन
लग्न के अंश	11:35:18 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्यतिपात
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	11:35:18	314:00:34	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	---
सूर्य			मीन	22:23:21	00:59:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	11:00:23	11:55:28	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	नीच राशि
मंगल		अ	मीन	03:07:31	00:46:49	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	24:46:32	01:06:03	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
गुरु			मिथु	21:57:00	00:04:50	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	14:04:39	01:13:40	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:59:39	00:07:25	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:02:36	00:05:52	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:02:36	00:05:52	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:46:43	00:02:47	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:10:50	00:02:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:04:20	00:00:50	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	10:10:33	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

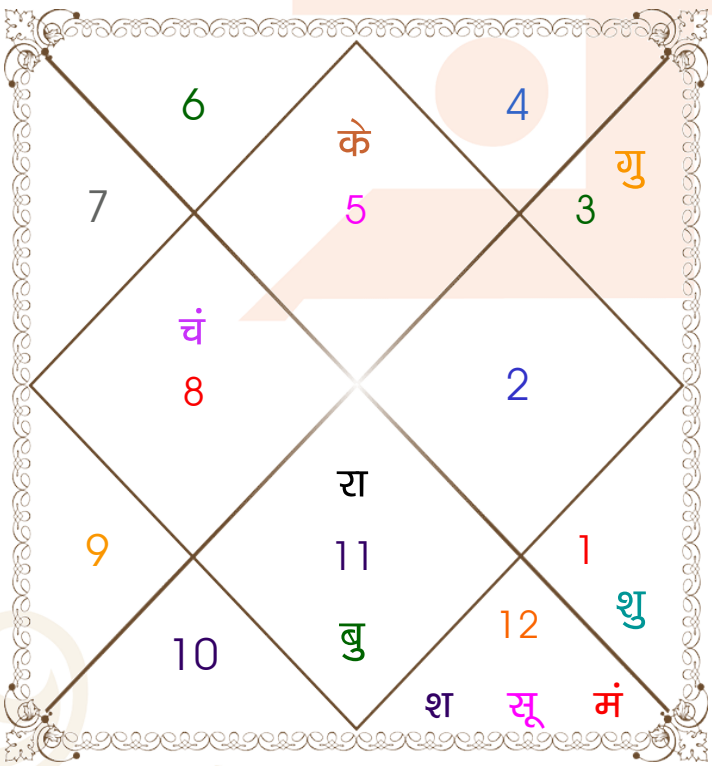

चन्द्र कुंडली

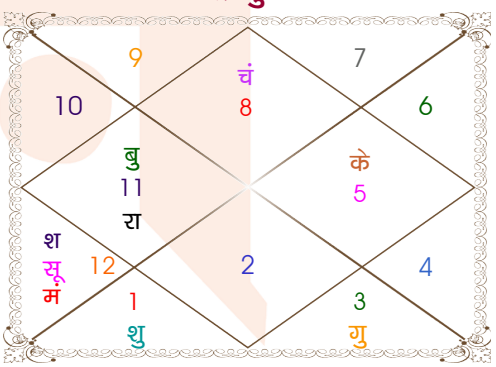

नवमांश कुंडली

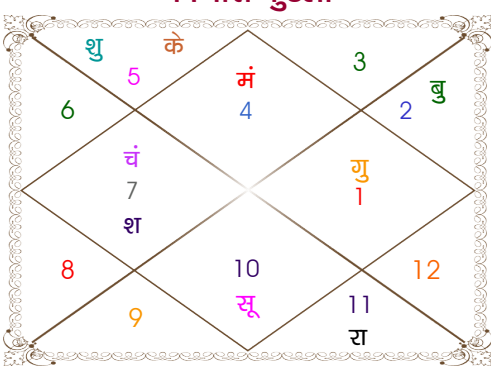

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 0 मास 24 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
06/04/2026		30/04/2034		30/04/2051		30/04/2058		30/04/2078	
30/04/2034		30/04/2051		30/04/2058		30/04/2078		30/04/2084	
	00/00/0000	बुध	26/09/2036	केतु	27/09/2051	शुक्र	30/08/2061	सूर्य	18/08/2078
	00/00/0000	केतु	23/09/2037	शुक्र	26/11/2052	सूर्य	30/08/2062	चंद्र	16/02/2079
	00/00/0000	शुक्र	24/07/2040	सूर्य	03/04/2053	चंद्र	30/04/2064	मंगल	24/06/2079
	00/00/0000	सूर्य	30/05/2041	चंद्र	02/11/2053	मंगल	30/06/2065	राहु	18/05/2080
	06/04/2026	चंद्र	30/10/2042	मंगल	31/03/2054	राहु	30/06/2068	गुरु	06/03/2081
चंद्र	02/11/2027	मंगल	27/10/2043	राहु	18/04/2055	गुरु	01/03/2071	शनि	16/02/2082
मंगल	11/12/2028	राहु	15/05/2046	गुरु	24/03/2056	शनि	30/04/2074	बुध	24/12/2082
राहु	18/10/2031	गुरु	20/08/2048	शनि	03/05/2057	बुध	28/02/2077	केतु	30/04/2083
गुरु	30/04/2034	शनि	30/04/2051	बुध	30/04/2058	केतु	30/04/2078	शुक्र	30/04/2084

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/04/2084		30/04/2094		01/05/2101		01/05/2119		01/05/2135	
30/04/2094		01/05/2101		01/05/2119		01/05/2135		00/00/0000	
चंद्र	28/02/2085	मंगल	26/09/2094	राहु	12/01/2104	गुरु	19/06/2121	शनि	04/05/2138
मंगल	29/09/2085	राहु	15/10/2095	गुरु	07/06/2106	शनि	31/12/2123	बुध	11/01/2141
राहु	31/03/2087	गुरु	20/09/2096	शनि	13/04/2109	बुध	07/04/2126	केतु	20/02/2142
गुरु	30/07/2088	शनि	30/10/2097	बुध	31/10/2111	केतु	14/03/2127	शुक्र	22/04/2145
शनि	28/02/2090	बुध	27/10/2098	केतु	18/11/2112	शुक्र	12/11/2129	सूर्य	04/04/2146
बुध	31/07/2091	केतु	25/03/2099	शुक्र	18/11/2115	सूर्य	31/08/2130	चंद्र	07/04/2146
केतु	29/02/2092	शुक्र	25/05/2100	सूर्य	12/10/2116	चंद्र	31/12/2131		00/00/0000
शुक्र	30/10/2093	सूर्य	30/09/2100	चंद्र	13/04/2118	मंगल	06/12/2132		00/00/0000
सूर्य	30/04/2094	चंद्र	01/05/2101	मंगल	01/05/2119	राहु	01/05/2135		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 1 मा 0 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश तथा धनु राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस समन्वित ग्रह योग के प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका सामान्य एवं वैवाहिक जीवन अति उत्तम रहेगा। आप अपने पिता के साथ अथवा अपने पुत्र के साथ आरामदेह एवं आनंदपूर्ण जीवन बिताएंगी। परंतु यह आभास मिलता है कि आपके पिता के साथ तथा पुत्रों के साथ कोई सामान्य समस्याओं से युक्त दिक्तों का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन में कतिपय नकारात्मक व्यवधान को छोड़कर शेष जीवन उच्च स्तरीय सुख-सुविधापूर्ण बीतेगा। आप उच्च प्रशासनिक पद पर प्रतिष्ठित होकर पूर्ण फलदायी जीवन व्यतीत करेंगी, तथा अपने पारिवारिक सदस्यों का स्नेह एवं अन्य व्यक्तियों के द्वारा सम्मान प्राप्ति का आनंद प्राप्त करेंगी।

आपको योजना बद्ध तरीके से धन का व्यय करने के प्रति सतर्क रहना होगा। आप अन्य व्यक्तियों के समक्ष अपना प्रभावशाली अस्तित्व को प्रदर्शित करने के लिए अपने लिए तथा पारिवारिक सदस्यों के पहनावा, वस्त्राभूषण पर बहुत अधिक व्यय करेंगी। आप अधिक मात्रा में अपने व्यवसायी पार्टनर तथा मित्रों को घर पर बुला कर, खान-पान एवं सम्मान पर अत्यंत धन का व्यय करेंगी।

आप उदार एवं दानी प्रवृत्ति की महिला है तथा समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु आर्थिक मदद करने की व्यवस्था करेंगी। अस्तु यह संभाव्य है कि आपकी बृद्धावस्था में धन के अभाव का पश्चाताप युक्त दुखद अनुभव करना पड़े। अतएव आपको परिस्थिति के अनुकूल धन के व्यय की उचित योजना बना कर सभी कार्यों का संपादन अर्थात् धन का व्यय करना चाहिए।

आप में जन्म से ही नेतृत्व के गुण विद्यमान है, तथा आपको कब क्या कार्य करना चाहिए। इस बात का भी ज्ञान है। आप अपनी जन्मजात प्रवृति से नेतागिरी का पूर्ण व्यवहार करेंगी। ऐसी आशा है कि आप निगमायुक्त एवं बड़ी कंपनी के उच्च पद पर आसीन होंगी। क्योंकि आप आश्चर्यजनक प्रभावशाली गुण के कारण शीघ्रता पूर्वक चमत्कारपूर्ण संबंध बना लेती हैं। आप सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी पद का भार ग्रहण करने के योग्य हैं।

आप अपने अत्याधिक कार्यक्रमों के अनुसार तथा यात्रा क्रम से अत्यंत व्यस्त तथा अनेक कार्यों में संलग्न रहेंगीं। आप उत्तरदायीत्व पूर्ण कार्य प्रबंध करते हुए भी अपने पारिवारिक सदस्यों को बहुत स्नेह संबंध के लिए अपना बहुमूल्य समय प्रदान करेंगी।

आप में आंशिक अभिनयात्मक भावना विद्यमान हैं तथा आप में ऐसी सक्षमता है कि परिस्थिति के अनुरूप अपने को उपयुक्त बना लेती हैं। प्रायः आप आनंद प्राप्त करने में निमग्न हो जाया करती हैं। परंतु आप पर्याप्त मात्रा में अच्छे कार्यक्रमों को सुरूचिपूर्ण ढंग से संपादन करती हैं।

आप अधिक दिनों तक स्वस्थ रहेंगी। परंतु वृद्धावस्था में किसी प्रकार का जोखिम भरा कार्य करोगी तो आप हृदय संबंधी दिक्कतों तथा पीठ के रीड की हड्डियों के रोग की भुक्त भोगी होंगी। क्योंकि आपकी प्रवृत्ति उत्तेजनात्मक, चिंताग्रस्त स्वभाव एवं बेसुधपना जीवन के प्रति चिंता बना सकता है। अतः आप शांति ग्रहण कर विश्राम करें। आपके लिए उत्तम तो यह है कि प्रत्येक माह में पूर्णिमा के दिन उपवास रखें।

सम्प्रति प्रायः अधिक लोग काला और सफेद वस्त्रों का त्यागकर देते हैं। परंतु आपके लिए अनुकूल रंग हरा, नारंगी एवं लाल रंग भाग्यशाली है।

आप अंक 2, 7 एवं 8 अंक के प्रति सतर्क रहें क्योंकि ये अंक आपके लिए उपयुक्त नहीं है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5, एवं 6 अंक आपके लिए अनुकूल प्रमाणित होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।